लघु उद्योग/इकाई पंजीकरण प्रमाण-पत्र

4305. श्री गोपाल सिंह जी० खोलंकी : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली-प्रशासन द्वारा लघु उद्योग/इकाई पंजीकरण प्रमाण-पत्र जारी किए जाने के संबंध में कौन-कौन से नियम और मानदंड हैं;

(ख) क्या यह सच है कि इन नियमों और मानदंडों का हस्तेमाल पक्षपात पूर्ण ढंग से किया जा रहा है;

(ग) यदि हां, तो सरकार ने इस संबंध में क्या कार्यवाही की है;

(घ) क्या यह भी सच है लघु उद्योग/इकाई पंजीकरण प्रमाण-पत्र जारी करते समय शर्तों को लागू करने में काफी पक्षपात किया जाता है; और

(ङ) जनवरी, 1993 से जून, 1993 तक कितने पंजीकरण प्रमाण-पत्र जारी किए गए हैं और कितने प्रमाण-पत्रों पर कोई शर्तें नहीं लगायी गयी हैं ?

उद्योग मंत्रालय (लघु उद्योग और कृषि तथा ग्रामीण उद्योग विभाग) में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम) : (क) दिल्ली प्रशासन के अनुसार लघु उद्योग इकाइयों का लघु उद्योग पंजीकरण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की पंजीकरण नीति के अनुसार किया जाता है जो विकास आयुक्त, लघु उद्योग, उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी किये गये दिशा निर्देशों और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की स्थापना स्थल नीति पर आधारित है ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

(घ) जी, नहीं ।

(ङ) स्थायी तथा अनंतिम पंजीकरणों की संख्या इस प्रकार है :—

स्थायी पंजीकरणों की संख्या	अनंतिम पंजीकरणों की संख्या
426 शर्तों के साथ	795
352 शर्तों के बिना	781
74	14

Funds for TAFCO and SIL

4306. PROF. SAURIN BHATTACHARYA : Will the PRIME MINISTER be pleased to refer to the reply given to the Starred Question 72 on the 29th April, 1993, and state :

(a) whether Government have made efforts to make the funds available from banking sector and/or from the market resources to P.S.U.s;

(b) whether it is a fact that the companies are receiving more and more export enquiries and orders from abroad because of competitive pricing of their products;

(c) whether all these efforts towards offers of goods both to export and domestic markets are being frustrated due to paucity of funds and indecision about their very existence;

(d) if so, the details thereof; and

(e) what immediate steps are being taken to provide these companies viz. TAFCO and SIL to get some working capital ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF HEAVY INDUSTRY) (SHRIMATI KRISHNA SAHI) : (a) Yes, Sir.

(b) Both SIL and TAFCO have export enquiries.

(c) While shortage of working capital has a bearing on the overall performance of the company, the execution of export orders is generally backed by letters of credit and export credits.

(d) Does not arise in view of the answer to part (c) above

(e) A budgetary support of Rs. 12.95 crores to Scooters India Ltd. and Rs. 5.50 crores to Tannery & Footwear Corporation has been provided by the Govt. in the 1993-94 budget to meet the fund requirements of these two companies.

Investment by PSUs

4307. SHRI BISHAMBHAR NATH PANDE :
SHRI V. NARAYANASAMY :

Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether it is a fact that many public sector units have invested surplus funds in gross violation of rules, orders and guidelines to deposit of funds in banks;

(b) if so, what are the details thereof and what are the reasons therefor; and

(c) what actions have been taken against